महीना	परिमाण (टनों में)
जून १९५७	२३,९२०
जुलाई १९५७	१३,६४७
अगस्त १९५७	१६,८६९
सितम्बर, १९५७	१३,०५८
अक्तूबर १९५७	११,६०६
नवम्बर १९५७	२०,२९१

(ख) हैशियन क्लाथ तथा रुई पैक करने के काम आने वाले टाट का मुख्य रूप से निर्यात होता है ।

(ग) तथा (घ) . जी, हां। मिलों में बनने वाला सब से बढ़िया पटसन का माल अमेरिका को निर्यात किया जाता है जहा उसे विशेष कामों में प्रयोग किया जाता है ।

मशीनी खिलौने

१८१८. श्री बाल्मीकी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार इस देश में बनने वाले मशीनी खिलौनो के मूल्यो को घटाने के लिये कोई कार्यवाही कर रही है ; और

(ख) ये खिलौने विदेशी खिलौनों की तुलना मे कितने महंगे पड़ते हैं ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई) : (क) छोटे पैमाने पर खिलौने बनाने वालों को जो प्राविधिक सहायता दी जा रही है, उसकी वजह से खिलौनों की किस्म में सुधार होगा और उनकी उत्पादन लागत भी कम हो जाने की आशा है ।

(ख) देश में बनने वाले खिलौने विदेशी खिलौनों से महंगे नही पड़ते ।

साइकिल के कारखाने

१८१९. श्री बाल्मीकी : क्या वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भारत में साइकिल के कारखानों में इस समय कितने विदेशी विशेषज्ञ काम कर रहे है ;

(ख) सरकार और निर्माता-गण ने भारतीयों को इस काम में प्रशिक्षित करने के लिये क्या उपाय किये हैं ;

(ग) साइकिल उद्योग के विकास के संबंध में कितने विदेशी विषेषज्ञ भारत आ चुके हैं ;

(घ) क्या अब भी कोई विशेषज्ञ भारत में काम कर रहा है ; और

(ङ) यदि हां, तो वह किस कारखाने में क्या काम कर रहा है ?

वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री (श्री मोरारजी देसाई):(क) तथा (ग) . ११ विशेषज्ञ ।

(ख) आम तौर पर निर्माताओं द्वारा विदेशों से भरती करके बुलाये गये टैकनीशियन इस शर्त पर भारत आते हैं कि वे उपर्युक्त भारतीय टैकनीशियनों को प्रशिक्षित करेंगे जिससे वे धीरे धीरे उनका स्थान ले सकें ।

(घ) तथा (ङ) . सीधे निर्माताओं द्वारा भरती किये गये ११ टैकनीशियन निम्न साइकिल कारखानों में काम कर रहे हैं :—